आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353
डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023

दैनिक समाचार–पत्र

प्रेषण :- कार्यालय चेतक सर्कल पोस्ट ऑफिस ,उदयपुर
प्रेषण दिनांक:-प्रतिदिन

मन के जीते जीत सदा

• वर्ष - 10 • अंक-2600 • उदयपुर, रविवार 06 फरवरी, 2022 • प्रेषण दिनांक : प्रतिदिन • कुल पृष्ठ : 4 • मूल्य : 1 रुपया

आपका अपना नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

थमी जिन्दगी को गति का उपहार

दिव्यांग बंधु–बहिनों की सहायतार्थ दिसम्बर–21 व जनवरी–22 में विभिन्न शहरों में कृत्रिम अंग (हाथ–पैर), सहायक उपकरण वितरण एवं निःशुल्क सर्जरी के लिए चयन शिविर आयोजित किए गए। जिनमें बड़ी संख्या में दिव्यांगजन लाभान्वित हुए। इन शिविरों के माध्यम से उनमें आत्म विश्वास तो जागा ही, निराशा का अंधकार चीरते हुए उनके कदम जिन्दगी को गति देने की ओर भी बढ़ चले।

जयपुर – आमेर रोड़ स्थित जयपुर हेरिटेज हॉटेल में 3 दिसम्बर–21 को विशाल दिव्यांग जांच, चयन एवं उपकरण वितरण शिविर आर्ट हाउसिंग फाइनेंस इण्डिया लि. के सौजन्य से सम्पन्न हुआ। जिसमें 93 दिव्यांगजन पंजीकृत हुए। इनमें से 15 दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल, 10 को व्हीलचेयर, 20 को बैसाखियां वितरण की गई। सात दिव्यांगों का निःशुल्क सर्जरी के लिए डॉ. एस.एल. गुप्ता जी ने चयन किया। मुख्य अतिथि आर्ट फाइनेंस इण्डिया लि. के एच.आर. हेड श्री संजय जी जायसवाल व विशिष्ट अतिथि कम्पनी के सदस्य सर्वश्री विक्रम सिंह जी, महेन्द्र सिंह जी, लक्ष्य जी ताम्बी, श्रीमती विनीत जी कौर, अरविंद जी शर्मा व सोहनलाल जी गुप्ता थे। अध्यक्षता श्री अमरनाथ जी गुप्ता ने की। संस्थान की ओर से आश्रम प्रभारी मनीष जी खण्डेलवाल व हुकुम सिंह जी ने स्वागत व आभार प्रदर्शन शिविर प्रभारी हरिप्रसाद जी लढ्ढा ने किया।

लुधियाना– 12 दिसम्बर को लुधियाना (पंजाब) में आयोजित शिविर में विभिन्न हादसों में हाथ–पांव गंवाने वाले 46 लोगों को कृत्रिम हाथ–पैर व 13 को कैलीपर वितरित किए गए। मुख्य अतिथि समाज सेवी सर्वश्री राजेन्द्र जी शर्मा, बलविन्द्र सिंह जी, डी.एल. गोयल जी, रोहित जी शर्मा व नवल जी शर्मा थे। शिविर प्रभारी अखिलेश जी अग्निहोत्री ने अतिथियों का स्वागत–सम्मान किया। संचालन आश्रम प्रभारी श्री मधुसूदन जी ने किया।

अलीगढ़– संस्थान के अलीगढ़ (उत्तरप्रदेश) स्थित आश्रम के तत्वावधान में 20 दिसम्बर को आयोजित शिविर में 34 दिव्यांगों को कैलीपर व 9 को कृत्रिम अंग वितरित किए गए। मुख्य अतिथि सेवा प्रेरक श्री अजय जी गर्ग थे। अध्यक्षता डॉ. सुनील कुमार जी ने की। विशिष्ठ अतिथि समाज सेवी सर्वश्री अनिलराज जी गुप्ता, सत्येन्द्र कुमार जी, श्रीमती कमला जी अग्रवाल व अनिल कुमार जी थे। शिविर में टेक्नीशियन नाथूसिंह जी, लोकेन्द्र कुमार जी, मुन्नासिंह जी, सुनील जी श्रीवास्तव ने सहयोग किया। आश्रम प्रभारी योगेश जी निगम ने अतिथियों को स्वागत किया। आभार ज्ञापन प्रभारी हरिप्रसाद जी लढ्ढा ने किया।

गंगाखेड़– श्री भोलाराम कांकरिया बहुउद्देश्यीय चैरीटेबल ट्रस्ट गंगाखेड़ व संस्थान की परभणी (महाराष्ट्र) शाखा के सयुक्त तत्वावधान में 12 दिसम्बर को गंगाखेड़ में आयोजित विशाल दिव्यांग सहायता शिविर में 216 दिव्यांगों का पंजीयन हुआ। जिसमें टेक्नीशियन श्री नाथूसिंह जी व लोकेन्द्र जी ने 50–50 दिव्यांगों के कृत्रिम अंग (हाथ–पैर) व कैलीपर बनाने के माप लिए। डॉ. माहेश्वरी जी ने दिव्यांगों की जांच कर उनमें से सर्जरी के लिए 38 का चयन किया। शिविर के मुख्य अतिथि परभणी जिला कलेक्टर श्रीमती आंचल जी गोयल थी। अध्यक्षता उपखण्ड अधिकारी श्री सुधीर जी गोयल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री डॉ. हेमन्त जी मुंडे, श्रीमती रूचिता सुराणा, श्रीमती वसुंधरा जी बोरगावकर, श्री गोविन्द जी येरमें व श्री ब्रिजगोपाल जी तोशनीवाल, मंचीसीन थे। संस्थान की परभणी शाखा संयोजिका श्रीमती मंजू जी दर्डा ने अतिथियों का स्वागत–सत्कार किया। संचालन हरिप्रसाद जी लढ्ढा ने व आभार श्री भरत जी भट्ट ने व्यक्त किया।

गुरुग्राम– मित्सुबिशी इलेक्ट्रिकल कम्पनी के सहयोग से 15 दिसम्बर को गुरुग्राम (हरियाणा) के भगवान परशुराम भवन में आयोजित शिविर में 25 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग व 6 को कैलिपर वितरण किया गया। आश्रम प्रभारी श्री भंवरसिंह जी के अनुसार मुख्य अतिथि भगवान परशुराम समिति के उपाध्यक्ष श्री रामनिवास जी थे। अध्यक्षता श्री डी.पी. शर्मा जी ने की। विशिष्ठ अतिथि श्री वी.एन. कौशिक जी, श्री टेकचन्द जी गुप्ता, सौरभ जी सेन, अमित कुमार जी, व शाखा प्रेरक श्री राजाराम जी थे।

आगरा– (उत्तरप्रदेश) में 21 दिसम्बर को सम्पन्न हुए शिविर में 19 दिव्यांगों को .त्रिम अंग व 29 को कैलीपर प्रदान किए गए। टेक्नीशियन नाथूसिंह जी के अनुसार जिन दिव्यांगों को इनका वितरण हुआ, उनके माप पूर्व शिविर में लिए गए थे। शिविर में मुख्य अतिथि समाज सेवी महेश जी अग्रवाल थे। अध्यक्षता महावीर प्रसाद जी ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री नरेन्द्र जी शर्मा, अनुज कुमार जी, सुरेश जी अग्रवाल व नरेन्द्र जी वघेल थे। प्रभारी श्री अखिलेश जी ने अतिथियों का स्वागत किया। आश्रम प्रभारी राजमल जी ने संचालन किया।

बागोदरा– मंगल मंदिर मानव सेवा संस्थान बागोदरा (अहमदाबाद) में मानव सेवा परिवार (दिनेश जी भाई लाढिया) के सहयोग से 15 दिसम्बर को दिव्यांग सहायता शिविर आयोजित किया। जिसमें 40 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग व 5 को कैलिपर वितरित किए गए। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री श्री भूपेन्द्रसिंह जी थे। अध्यक्षता कोली समाज के अध्यक्ष श्री कालू भाई जी जाखड़वाला ने की। शिविर अतिथि के रूप में सर्वश्री विक्रम भाई जी अडाला, प्रभात जी भाई मकवाना, अजित जी भाई चौहान, प्रकाश जी भाई पटेल व दिनेश जी भाई थे।

दिव्यांग बंधु–बहिनों की सहायतार्थ दिसम्बर–21 व जनवरी–22 में विभिन्न शहरों में कृत्रिम अंग (हाथ–पैर), सहायक उपकरण वितरण एवं निःशुल्क सर्जरी के लिए चयन शिविर आयोजित किए गए। जिनमें बड़ी संख्या में दिव्यांगजन लाभान्वित हुए। इन शिविरों के माध्यम से उनमें आत्म विश्वास तो जागा ही, निराशा का अंधकार चीरते हुए उनके कदम जिन्दगी को गति देने की ओर भी बढ़ चले।

जयपुर – आमेर रोड़ स्थित जयपुर हेरिटेज हॉटेल में 3 दिसम्बर–21 को विशाल दिव्यांग जांच, चयन एवं उपकरण वितरण शिविर आर्ट हाउसिंग फाइनेंस इण्डिया लि. के सौजन्य से सम्पन्न हुआ। जिसमें 93 दिव्यांगजन पंजीकृत हुए। इनमें से 15 दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल, 10 को व्हीलचेयर, 20 को बैसाखियां वितरण की गई। सात दिव्यांगों का निःशुल्क सर्जरी के लिए डॉ. एस.एल. गुप्ता जी ने चयन किया। मुख्य अतिथि आर्ट फाइनेंस इण्डिया लि. के एच.आर. हेड श्री संजय जी जायसवाल व विशिष्ट अतिथि कम्पनी के सदस्य सर्वश्री विक्रम सिंह जी, महेन्द्र सिंह जी, लक्ष्य जी ताम्बी, श्रीमती विनीत जी कौर, अरविंद जी शर्मा व सोहनलाल जी गुप्ता थे। अध्यक्षता श्री अमरनाथ जी गुप्ता ने की। संस्थान की ओर से आश्रम प्रभारी मनीष जी खण्डेलवाल व हुकुम सिंह जी ने स्वागत व आभार प्रदर्शन शिविर प्रभारी हरिप्रसाद जी लढ्ढा ने किया।

लुधियाना– 12 दिसम्बर को लुधियाना (पंजाब) में आयोजित शिविर में विभिन्न हादसों में हाथ–पांव गंवाने वाले 46 लोगों को कृत्रिम हाथ–पैर व 13 को कैलीपर वितरित किए गए। मुख्य अतिथि समाज सेवी सर्वश्री राजेन्द्र जी शर्मा, बलविन्द्र सिंह जी, डी.एल. गोयल जी, रोहित जी शर्मा व नवल जी शर्मा थे। शिविर प्रभारी अखिलेश जी अग्निहोत्री ने अतिथियों का स्वागत–सम्मान किया। संचालन आश्रम प्रभारी श्री मधुसूदन जी ने किया।

अलीगढ़– संस्थान के अलीगढ़ (उत्तरप्रदेश) स्थित आश्रम के तत्वावधान में 20 दिसम्बर को आयोजित शिविर में 34 दिव्यांगों को कैलीपर व 9 को कृत्रिम अंग वितरित किए गए। मुख्य अतिथि सेवा प्रेरक श्री अजय जी गर्ग थे। अध्यक्षता डॉ. सुनील कुमार जी ने की। विशिष्ठ अतिथि समाज सेवी सर्वश्री अनिलराज जी गुप्ता, सत्येन्द्र कुमार जी, श्रीमती कमला जी अग्रवाल व अनिल कुमार जी थे। शिविर में टेक्नीशियन नाथूसिंह जी, लोकेन्द्र कुमार जी, मुन्नासिंह जी, सुनील जी श्रीवास्तव ने सहयोग किया। आश्रम प्रभारी योगेश जी निगम ने अतिथियों को स्वागत किया। आभार ज्ञापन प्रभारी हरिप्रसाद जी लढ्ढा ने किया।

गंगाखेड़– श्री भोलाराम कांकरिया बहुउद्देश्यीय चैरीटेबल ट्रस्ट गंगाखेड़ व संस्थान की परभणी (महाराष्ट्र) शाखा के सयुक्त तत्वावधान में 12 दिसम्बर को गंगाखेड़ में आयोजित विशाल दिव्यांग सहायता शिविर में 216 दिव्यांगों का पंजीयन हुआ। जिसमें टेक्नीशियन श्री नाथूसिंह जी व लोकेन्द्र जी ने 50–50 दिव्यांगों के कृत्रिम अंग (हाथ–पैर) व कैलीपर बनाने के माप लिए। डॉ. माहेश्वरी जी ने दिव्यांगों की जांच कर उनमें से सर्जरी के लिए 38 का चयन किया। शिविर के मुख्य अतिथि परभणी जिला कलेक्टर श्रीमती आंचल जी गोयल थी। अध्यक्षता उपखण्ड अधिकारी श्री सुधीर जी गोयल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री डॉ. हेमन्त जी मुंडे, श्रीमती रूचिता सुराणा, श्रीमती वसुंधरा जी बोरगावकर, श्री गोविन्द जी येरमें व श्री ब्रिजगोपाल जी तोशनीवाल, मंचीसीन थे। संस्थान की परभणी शाखा संयोजिका श्रीमती मंजू जी दर्डा ने अतिथियों का स्वागत–सत्कार किया। संचालन हरिप्रसाद जी लढ्ढा ने व आभार श्री भरत जी भट्ट ने व्यक्त किया।

गुरुग्राम– मित्सुबिशी इलेक्ट्रिकल कम्पनी के सहयोग से 15 दिसम्बर को

अद्भुत है यह मानव शरीर

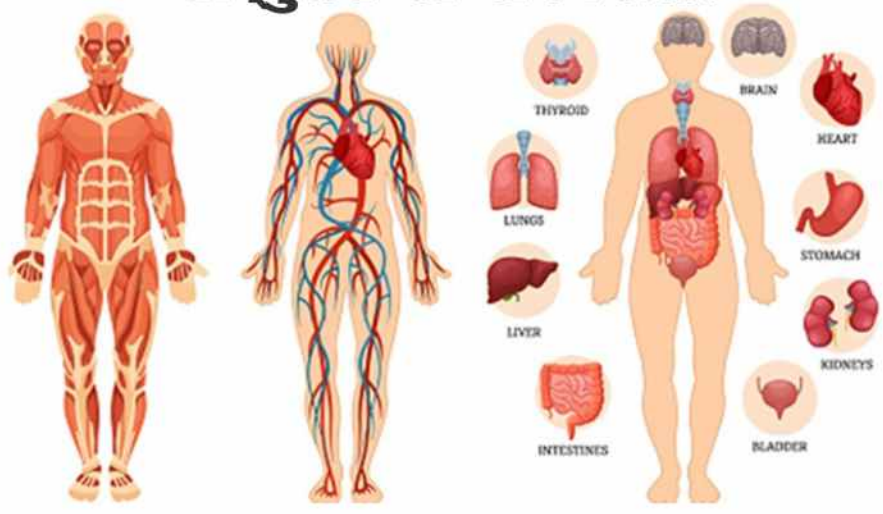

दुनिया के बहुत सारे रहस्यों में से एक रहस्य मानव शरीर भी है। रहस्यों की खान हमारा यह शरीर कैसे कार्य करता है? आइए लेख से जानते हैं। कई बार दिल में ख्याल आता है कि इस शरीर से हम कितने काम लेते हैं। आखिर इस मानव शरीर के अंदर है क्या ? आइए जानें ऐसे ही सवालों के जवाब। शरीर में समस्त ऊर्जा का आधा भाग केवल सिर के द्वारा खर्च होता है।

स्वयं सांस रोककर रखने से किसी मनुष्य की मौत नहीं होती। मानव शरीर में आंख की पुतली का आकार जन्म से लेकर मृत्युपर्यंत एक जैसा रहता है।

हम एक दिन में लगभग 20 हजार बार पलकें झपकाते हैं। दो सेकंड में आने जाने वाली छींक को नाक तक पहुंचने में 160 किमी प्रति घंटे का सफर तय करना पड़ता है। इसकी रफ्तार एक भागती हुई ट्रेन की गति के बराबर होती है। एक निरोगी मनुष्य के शरीर से लगभग सवा लीटर पसीना प्रतिदिन निकलकर हवा में उड़ जाता है।

जब हम सोते हैं तो हम पूरे समय गहरी नींद में होते हैं, पर ये सच नहीं है। 8 घंटे की नींद में 60 प्रतिशत तो हम कच्ची नींद में होते हैं। 18 प्रतिशत गहरी नींद लेते हैं, तो 20 प्रतिशत सपने देखने में निकाल देते हैं।

साबित हो चुका है कि सोते वक्त हमारा दिमाग टीवी देखने की तुलना में ज्यादा सक्रिय होता है। हमारा दायां फेफड़ा बाएं फेफड़े से बड़ा होता है। ऐसा दिल के स्थान और आकार के कारण होता है। एक सामान्य व्यक्ति अपने साठ वर्ष के जीवनकाल में करीब एक लाख किलोमीटर पैदल चल लेता है। मनुष्य एक सांस में 500 मिलीमीटर हवा खींच सकता है।

सम्पादकीय

सुखी रहना हरेक व्यक्ति की आकांक्षा होती है। यह ठीक भी है, क्योंकि जब व्यक्ति सुखी ही नहीं होगा तो वह अपने दायित्वों व कर्तव्यों को ठीक से कैसे निभा पायेगा ? बिना सुख की अनुभूति के उसका व्यवहार भी असंतुलित ही होगा। दुःख को इस पृथ्वी पर का नरक भी माना जा सकता है। इस दृष्टि से सुख ही स्वर्ग है। यानी हम विचार करें तो पायेंगे कि सुख और दुःख ही स्वर्ग और नरक हैं। सुखी रहने के लिये बहुत बड़े–बड़े काम की आवश्यकता नहीं है। बस इसके लिये दो ही बातें ध्यान में रखने की आवश्यकता है। आदमी अपने दुःख को बहुत गहरे से न ले। वह तुलना करे कि मुझसे ज्यादा दुःख तो कई सारे व्यक्ति झेल रहे हैं, फिर मैं ही दुःखी क्यों? दूसरी बात है कि व्यक्ति औरों के सुख पर कम ध्यान दे। जैसे ही वह औरों के सुख देखता है तो वह अपनी तुलना करने लगता है। वह दुःखी होने लगता है। अतः दुःख की तुलना करें व सुख की नहीं तो व्यक्ति हर पल सुखी रह सकता है।

कुछ काव्यमय

सुख दुःख दोनों द्वन्द्व हैं,
होना इनसे मुक्त।
जीवन में इनको न करें
गहराई में प्रयुक्त।
तुलना कभी करना नहीं,
अपनी औरों के साथ।
सुखी रहना तो सरल है,
और है अपने हाथ।

- वरदीचन्द राव

सेवा मनीषियों का सम्मान

अपने गृहनगरों और क्षेत्रों में सेवा त्याग एवं करुणा की सुगंध बिखेरने वाले दानी सत्पुरुषों की सेवाओं से अभिभूत संस्थान ने विभिन्न प्रान्तों व नगरों में 2 जनवरी को आत्मीय स्नेह मिलन एवं भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित कर उनका वंदन–अभिनन्दन किया। गुड़गांव (हरियाणा), कानपुर, झांसी (उत्तरप्रदेश) में सम्मान समारोह हुए। पधारे हुए अतिथियों को संस्थान की गतिविधियों से अवगत कराया और उनकी बेमिसाल सेवाओं और प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। प्रस्तुत है सेवा–सत्कर्म–सज्जनों के साथ व्यतीत सुखद पलों की शब्दयात्रा।

झांसी– वीरागंना रानी लक्ष्मी बाई बाई की शौर्य नगरी झांसी में नववर्ष के आरम्भ पर आत्मीय स्नेह मिलन एवं भामाशाह सम्मान का अद्वितीय समारोह सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि कथा व्यास पं. विनोद जी चतुर्वेदी, कथा व्यास संजय जी, विद्या प्रकाश जी दुबे पार्षद थे। समारोह में 70 दानदातागण सम्मानित हुए। कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ भाई भगवान प्रसाद जी गौड़, मुकेश जी शर्मा, हितेश जी सेन, दुर्गेश जी पालीवाल, आदित्य जी चौबीसा रहे।

गुरुग्राम– दिल्ली–गुरुग्राम एनसीआर के प्रमुख शहर गुरुग्राम में रमेश जी सिंगला, सुन्दरदास जी अग्रवाल, कृष्णा देवी जी, बलवीरसिंह जी यादव, विजय जी अग्रवाल आदि के पावन सानिध्य में भामाशाह सम्मान समारोह हुआ जिसमें 120 से ज्यादा दानवीरों को मेवाड़ी परम्परा से सम्मानित किया गया। संस्थान के गणपत जी रावल, रमेश जी शर्मा, गिरिश जी त्रिवेदी, रामसिंह जी, कौशिक जी सुहिल ने सार्थक सेवाएं दी।

कानपुर– औद्योगिक नगरी कानपुर में पूज्य गुरुदेव केलाश जी मानव के जन्मदिन 2 जनवरी को आत्मीय स्नेह मिलन व सम्मान समारोह 127 दानदाताओं की उपस्थिति में आयोजित हुआ। समारोह में सूर्य प्रकाश जी वर्मा, मोहन लाल जी अग्रवाल, एवं विमला जी शर्मा का विशेष आतित्थ्य रहा। कई सेवाभावियों ने अपनी धनरूपी लक्ष्मी का सदुपयोग किया। संस्थान के साधक बद्री जी शर्मा, गौरव जी शर्मा, सुरेश जी, पंकज जी शर्मा, निरंजन जी शर्मा आदि ने सेवाएं दी।

जिला खेलकूद में जीते पदक

65वीं उदयपुर जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में संस्थान की नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के बालक–बालिकाओं ने भाग लेकर विभिन्न प्रतियोगिता में सिल्वर व कांस्य पदक प्राप्त किए।

16से 18 नवम्बर तक हुई जिम्नास्टिक स्पर्द्धा में विशाल सांगिया ने व जूडो स्पर्द्धा में राकेश परमार ने कांस्य पदक प्राप्त किया, जब कि एथलेटिक्स प्रतियोगिता (1–3 दिसम्बर) में शिवराज अंगारी ने रजत पदक हासिल किया। शिवराज अंगारी ने राज्यस्तरीय एथेलेटिक्स स्पर्द्धा में उदयपुर जिले का प्रतिनिधित्व भी किया। जिम्नास्टिक में सतीश बम्बूरिया, गोविन्द बम्बूरिया, अरूण डूंगरी व अजय बम्बूरिया का भी श्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। एथेलेटिक्स में रूपलाल पारगी, नारायण लाल, गोविन्द बम्बूरिया, विशाल सांगिया, गुंजन जोशी, हिमानी कुंवर, तनु किकावत व जिज्ञासा कुंवर को श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार मिले।

गीता की आंखों के आंसू पौंछे

उदयपुर (राजस्थान) जिले के आदिवासी बहुत क्षेत्र चारों का फला निवासी गीता बाई 40 का घर संसार आज से 6 वर्ष पूर्व खुशियों को तब तहस नहस कर दिया, जब युवावस्था में ही पति की थोड़े दिनों की बीमारी के बाद आकस्मिक मृत्यु हो गई। तब 34 वर्ष की गीता की गोद में दो नन्हें बच्चें थे।

एक लड़की बड़ी थी जिसके हाथ मेहनत,मजदूरी कर इसने पति की मौत के बाद पीले कर दिए। पिछले 6 वर्षो से यह खेतों कमठाणों में जहां भी मजदूरी मिली कर लेती है और दोनों बच्चों की परवरिश कर रही है। इन्हें कभी भूखा नहीं सोना पड़ा। लेकिन समय ने एक बार इसके सामने फिर चुनौती नहीं थी, यह तो वैश्विक महामारी कोविड– 19 के रूप में पूरी दुनिया के सम्मुख थी किंतु गरीबों और मजदूरी कोविड़– 19 के रूप पूरी दुनिया के सम्मुख थी किंतु गरीबों और मजदूरों के लिए तो बहुत ही दुःखदायी थी। मार्च– अप्रैल में लॉकडाउन लागू होने से मजदूरी बंद हो गई। काम काज ठप थे। ऐसे में गीता के पास खाने को घर में कुछ दिनों का आटा मसाला था। वह भी जब खत्म हो गया तो उसकी आंखों में सिर्फ आंसू बचे थे। इस

स्थिति में नारायण गरीब परिवार राशन योजना को लेकर संस्थान के सेवादूत उस क्षेत्र में पहुंचे और गीता और उसके जैसे ही गरीब बेरोजगार परिवारों को एक – एक माह का राशन दिया। उन्हें स्थायी रूप से इस सहायता के लिए पंजीकृत भी कर दिया । गीता और उसके बच्चे भी अन्य सहायता प्राप्त परिवारों की तरह खुश हैं। उनके घर हर माह राशन पहुंच रहा है।

मुश्किलों से राहत मिली प्रमोद को

उदयपुर शहर के निकट बलीचा बस्ती में रहने वाले प्रमोद यादव (30) का कोरोना के चलते लॉकडाउन में ऑटो ही बंद नहीं हुआ गृहस्थी की गाड़ी भी थम गई। पति–पत्नी और तीन छोटी बच्चियों के परिवार के सामने घोर अंधेरा छा गया।

ऑटों के पहिये चलते थे तो घर भी चलता था। सब लोग घरों में थे। दुकानें, फैक्ट्रियां, निर्माण कार्य, पर्यटन स्थल, रेलें, बसें सब स्थगित थी। घर में निराशा का गहरा सन्नाटा पसरा था। जिसे नारायण सेवा संस्थान के सेवादूतों ने दरवाजे पर दस्तक देकर अप्रेल के शुरू में ही हटा दिया। वे अपने साथ भोजन के पैकेट व राशन लेकर आए थे। उन्हें देख परिवार ने भगवान को धन्यवाद दिया।

प्रमोद बोला– सचमुच आप नारायण के दूत समान ही है। हमारी मुश्किल को आपने हल कर दिया।

मकान का किराया तो मैं आज नहीं तो कल हालात सम्भलने पर मजदूरी कर चुका दूंगा लेकिन आपने तो मेरे और परिवार के जिंदा रहने का सबब ही दे दिया। आप धन्य हैं। इस परिवार को अप्रैल से नियमित राशन दिया जा रहा है।

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियो ग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति

(वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)

नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7000/-

दुर्धटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5000	15,000	25,000	55,000
व्हील चेयर	4000	12,000	20,000	44,000
केलीपर	2000	6,000	10,000	22,000
वैशाखी	500	1,500	2,500	5,500
कृत्रिम हाथ/पैर	5100	15,300	25,500	56,100

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

मो नं. : +91-294-6622222 वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें - अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	Branch Address	RTGS/NEFT Code	Account
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	Udaipur Main	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार छूट के योग्य है।

मन के जीते जीत सदा (दैनिक समाचार-पत्र) प्रकाशक : कैलाश चन्द्र अग्रवाल 483, सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, से. 4, उदयपुर (राज.) स्वामित्व : नारायण सेवा संस्थान प्रकाशन स्थल : ई, डी-71 बप्पा रावल नगर, हि.म. सेक्टर-6, उदयपुर
मुद्रक : न्यूट्रेक ऑफसेट प्रिंटर्स, 13, भोपा मगरी, बी.एस.एन.एल. एक्सचेंज के पास, हिरण मगरी, सेक्टर - 3 उदयपुर (राज.) के लिए नारायण प्रिंटिंग प्रेस, सेवा महातीर्थ, लियो का गुडा, उदयपुर
सम्पादक : लक्ष्मीलाल गाडरी, मो. 8278607811, 9119398965 • ई-मेल : mankijeet2015@gmail.com • आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353, • डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023